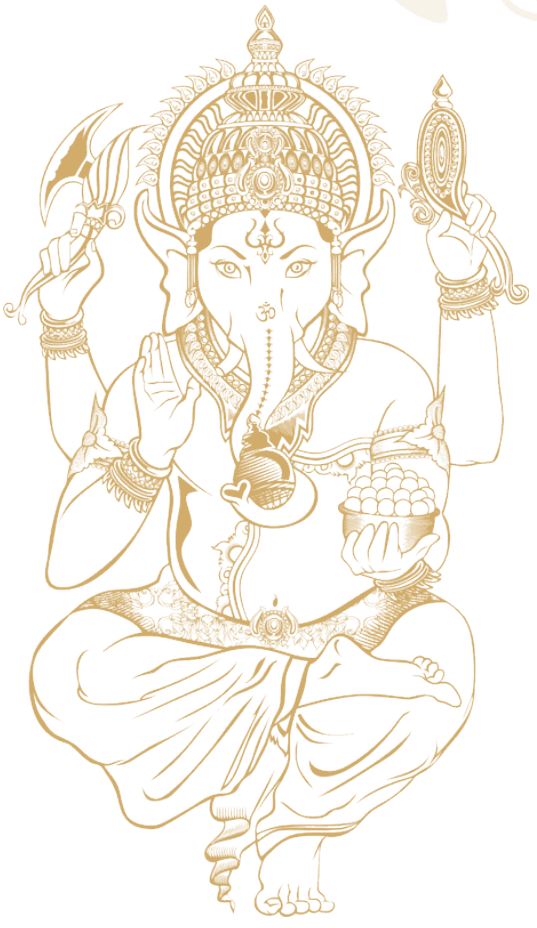

Himesh

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121860704

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/07/1995	जन्म तिथि	23-24/06/1994
शुक्रवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 18:40:00	जन्म समय	01:50:00 घंटे
घटी 32:57:07	जन्म समय(घटी)	51:04:26 घटी
India	देश	India
Nabha	स्थान	Kapurthala
30:22:00 उत्तर	अक्षांश	31:20:00 उत्तर
76:12:00 पूर्व	रेखांश	75:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:25:12	स्थानिक संस्कार	-00:28:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:29:09	सूर्योदय	05:24:52
19:30:45	सूर्यास्त	19:35:51
23:47:49	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:02

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 9वर्ष 3मा 15दि		09:55:38	धनु	लग्न	मेष	08:06:31	केतु 0वर्ष 0मा 8दि	
शनि		21:10:09	मिथु	सूर्य	मिथु	08:20:38	चन्द्र	
21/10/2020		13:07:02	तुला	चंद्र	धनु	13:17:21	02/07/2020	
22/10/2039		28:13:15	सिंह	मंगल	मेष	28:59:25	02/07/2030	
शनि	25/10/2023	01:17:55	मिथु	बुध व	मिथु	10:45:15	चन्द्र	02/05/2021
बुध	04/07/2026	12:45:33	वृश्चि व	गुरु व	तुला	11:05:15	मंगल	01/12/2021
केतु	13/08/2027	08:58:54	मिथु	शुक्र	कर्क	16:11:54	राहु	02/06/2023
शुक्र	12/10/2030	00:57:14	मीन व	शनि व	कुंभ	18:37:09	गुरु	01/10/2024
सूर्य	24/09/2031	08:57:11	तुला व	राहु व	तुला	29:31:43	शनि	02/05/2026
चन्द्र	25/04/2033	08:57:11	मेष व	केतु व	मेष	29:31:43	बुध	02/10/2027
मंगल	04/06/2034	05:15:32	मक व	हर्ष व	मक	01:28:53	केतु	02/05/2028
राहु	09/04/2037	00:37:30	मक व	नेप व	धनु	28:43:37	शुक्र	31/12/2029
गुरु	22/10/2039	04:17:34	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	01:58:13	सूर्य	02/07/2030

लग्न-चलित

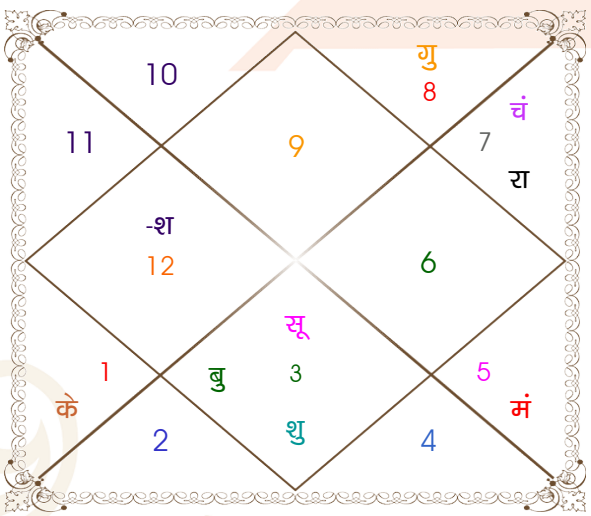

लग्न-चलित

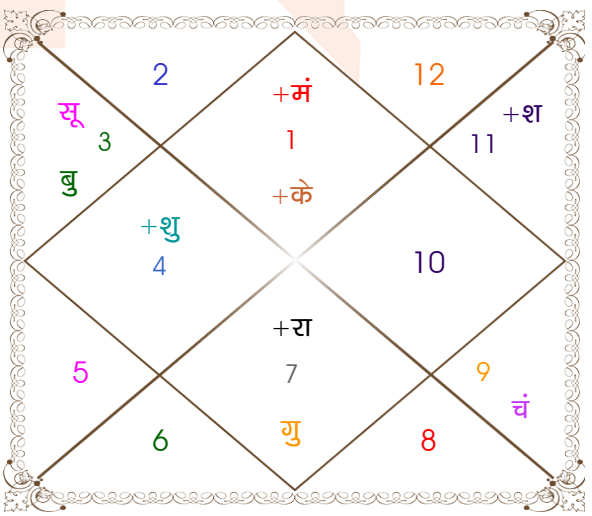

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.00		

Himesh का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Himesh और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Himesh मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में प्रथम भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Himesh कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Himesh तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।